

कौशाम्बी

शिरिशरोत्सव कार्यक्रम के पांचवें दिन कथक नृत्य, लोक गीत एवं गजल तथा हास्य कला और संस्कृति का अद्भुत संगम

लोकमित्र ब्लूग

भवरारी, कौशाम्बी। भवरारी स्थित भवस मेहता विद्याश्रम भवरारी में इन्डियन फॉटोग्राफ़िक बोर्ड बैंगलुरु एवं भारतीय विद्या भवन प्रयागराज केंद्र द्वारा आयोजित शिरिशरोत्सव कार्यक्रम के पांचवें दिन कथक नृत्य, गजल, लोक गीत और कामिंडी के माध्यम से कलाकारों ने दर्शकों को मंत्रपूर्ण दर्शन कर दिया। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि नाम लक्ष्मी गाव के मा सरवती के माल्यार्पण के साथ प्रारंभ हुई। इसके बाद नृत्यांगना पूजा अग्रवाल ने कथक नृत्य की पहली पेशकश की, जिन्होंने आँडिटोरियम में बैठे लोगों को ताली बजाने पर मजबूर कर दिया। भारतीय विद्या भवन बैंगलुरु की संयुक्त निदेशक एवं आज के कार्यक्रम की विशेष अतिथि नाम लक्ष्मी गाव एवं गेविंद कुलकर्णी ने बताया कि कथक नृत्य उत्तर भारतीय शास्त्रीय नृत्य है जिसको कथक नृत्यांगन पूजा अग्रवाल ने बेहतरीन एवं अत्यत ही मनमोहक एवं अधृतपूर्ण तरीके से किया। दर्शकों ने नृत्य का प्रशंसन एवं आनंद दिया। इसके बाद नृत्यांगन पूजा अग्रवाल ने अवकाश दिया। दर्शकों ने दर्शकों का मन मोह लिया।



प्रस्तुति ने आँडिटोरियम में बैठे समस्त श्रोता गणों को अद्वितीय अनुभव प्रदान किया। उनकी मधुर आवाज एवं गजलों की गहराई दर्शकों का मन मोह लिया।

कार्यक्रम की अगली कड़ी में लोक गीत गायक उमेश कर्नातिया एवं उनके स्पष्ट द्वारा लोकगीत प्रस्तुत की गई। लोकगीत की विविधता हमारी संस्कृति की समर्पित को दर्शाते हैं गीतों के माध्यम से सभी दर्शकों को ये बातों की कोशिश की गई कि लोक गीतों का महत्व हमारी संस्कृति को बनाए रखने में है। कार्यक्रम के बीच में भवस मेहता विद्याश्रम भवरारी के बायरी भवरारी से आए दर्शकों द्वारा एवं अधिभावकों ने भाग लिया और कला और संस्कृति के इस अद्भुत संगम का आनंद लिया।

कार्यक्रम के बीच में भवस मेहता विद्याश्रम भवरारी के बायरी भवरारी के बायरी भवरारी से आए दर्शकों द्वारा एवं अधिभावकों ने भाग लिया और कला और संस्कृति के इस अद्भुत संगम का आनंद लिया।

अपनी हास्य भरी प्रस्तुति से दर्शकों को हासा-हँसा कर लोटेहो कर कर्ता दौरान पूरा आँडिटोरियम दर्शकों की तालियों से गुंजायाया रहा। इस कार्यक्रम में भवरारी के विभिन्न क्षेत्रों से आए दर्शकों द्वारा एवं अधिभावकों ने भाग लिया और कला और संस्कृति के इस अद्भुत संगम का आनंद लिया।

ही आश्चर्य कर देने वाली बात थी छिल्क के लिए तरह के अद्भुत कार्यक्रम के दौरान पूरा आँडिटोरियम में बैठे सभी लोगों ने खेड़े होकर बच्चे की अद्भुत कला का सम्मान किया एवं ताली बजाई। भवस मेहता विद्याश्रम के इस छार को अनेकों प्रोफेशनल एवं राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मान मिल चुका है। इन्डियन द्वारा इस कार्यक्रम के आयोजन के लिए प्रोफेशनल एवं मुख्य अतिथि एवं निदेशक सदोष संकरण ने इन्डियन द्वारा विद्याश्रम के लिए राष्ट्रीय विद्यालय के विशेष योगदान के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया एवं बधाई दी। जिन्होंने इस कार्यक्रम को इतनी

सफलता पूर्वक आयोजित करने में सहयोग प्रदान किया। आज के कार्यक्रम को देखने के लिए दर्शकों की भारी भीड़ उड़ पड़ी जाती है जिसे उक्त कार्यक्रम 20 दिसंबर तक लगातार तालिका रहेगा। कार्यक्रम के उत्तरांत समस्त कलाकारों एवं उनकी टीम के भवस मेहता विद्याश्रम के सीनियर अध्यापकों में अवधेश मिश्र, विवेक के शरवारी, पूनम सिंह, साहिवा जरीन, विवेक शंकर चतुरेंद्री, शिवम के सरवारीनी, सूरज मिश्र एवं रीना नारायण अतिथि ने शान देकर उनकी कला को सम्मानित किया।

कार्यक्रम के बीच में भवस मेहता विद्याश्रम भवरारी के बायरी भवरारी से आए दर्शकों द्वारा एवं अधिभावकों ने भाग लिया और कला और संस्कृति के इस अद्भुत संगम का आनंद लिया।

वाहित आयोपी को किया गया गिरफ्तार

नं 22 गिरफ्तार कौशाम्बी। जनपद में अपराध के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में जनपद स्तर पर विभिन्न थानों व यातायात पुलिस द्वारा यातायात नियमों का बालन न करने वालों के विरुद्ध सघन चेकिंग की गई, चेकिंग के दौरान दो-पहिया, चार पहिया वाहनों को चेक किया गया। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 99 वाहनों को चेक किया गया।

► निरोधात्मक कार्यवाही

स्थानीय प्राधिकारी निकाय के सदस्यों के लिए लॉक स्टीय संगोष्ठी एवं उन्मुखीकरण बैठक संपन्न



लोकमित्र ब्लूग

कौशाम्बी। जनपद में अपराध पर अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना कोखराज पुलिस उपनिवेश वार्ड नं 08 लियाकार के उल्लंघन करने वाले 99 वाहनों का ई-चालान किया गया।

► वारपटी आयोपी

गिरफ्तार कौशाम्बी। आयोपी निकाय के लिए विवरण देकर उनकी कला को प्रबोध श्रीवास्तव, अवकाश प्राप्त किया गया।

बारा, कौशाम्बी। विकास खंड में ब्लॉक संसाधन केंद्र कौशाम्बी में खड़ शिक्षा अधिकारी अरुण कमार की अव्यक्तिमान में स्थानीय प्राधिकारी निकाय के सदस्यों और ग्राम प्रधानों के लिए ब्लॉक स्टीय संगोष्ठी और उन्मुखीकरण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य सरकारी योजनाओं की जानकारी देना, नियुक्त भारत मिशन और ऑफिसर जनपद क्षेत्र के लिए विवरण देना था। इसमें ग्राम प्रधान, परिचयीय विद्यालयों के प्रधानाध्यापक, और इनके अनेकों ग्राम प्रधानों द्वारा आयोजित विवरण देने के लिए धन्यवाद दिया।

► वाहन घेकिंग के दौरान की गई कार्यवाही

कौशाम्बी। जनपद में चलाये जा रहे

बारा, कौशाम्बी। विकास खंड में ब्लॉक संसाधन केंद्र कौशाम्बी में खड़ शिक्षा अधिकारी अरुण कमार की अव्यक्तिमान में स्थानीय प्राधिकारी निकाय के सदस्यों और ग्राम प्रधानों के लिए ब्लॉक स्टीय संगोष्ठी और उन्मुखीकरण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य सरकारी योजनाओं की जानकारी देना, नियुक्त भारत मिशन और ऑफिसर जनपद क्षेत्र के लिए विवरण देना था। इसमें ग्राम प्रधान, परिचयीय विद्यालयों के प्रधानाध्यापक, और इनके अनेकों ग्राम प्रधानों द्वारा आयोजित विवरण देने के लिए धन्यवाद दिया।

बहुदीर्घी पंचायत भवन के निर्माण के लिए जिलाध्यक्ष भाजपा ने किया गूगि पूजा

लोकमित्र ब्लूग

कौशाम्बी। विकास खंड में ब्लॉक संसाधन केंद्र कौशाम्बी में खड़ शिक्षा अधिकारी अरुण कमार की अव्यक्तिमान में स्थानीय प्राधिकारी निकाय के सदस्यों और ग्राम प्रधानों के लिए ब्लॉक स्टीय संगोष्ठी और उन्मुखीकरण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य सरकारी योजनाओं की जानकारी देना, नियुक्त भारत मिशन और ऑफिसर जनपद क्षेत्र के लिए विवरण देना था। इसमें ग्राम प्रधान, परिचयीय विद्यालयों के प्रधानाध्यापक, और इनके अनेकों ग्राम प्रधानों द्वारा आयोजित विवरण देने के लिए धन्यवाद दिया।

लोकमित्र ब्लूग

कौशाम्बी। विद्यानाम्भ प्रशिक्षण विवाह तीर्तीप आउट ऑफस्कूल बच्चों को उनकी कक्षाएँ देने के लिए एक बड़ा उद्देश्य बना रहा है। इसके लिए जिलाध्यक्ष भाजपा ने गूगि पूजा की गयी। यह ध्यान नहीं दिया गया तो इन बच्चों के पुगु प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे शिक्षकों से कहा कि आउट ऑफस्कूल बच्चों को उनकी कक्षाएँ देने के लिए नोडल शिक्षकों का व्लॉक स्टीय तीर्तीप नियमित अनुरूप दक्ष बनाया जाना इस प्रशिक्षण के लिए बहुत जरूरी है।

प्रशिक्षण ले रहे नोडल शिक्षक बच्चों को दक्ष बनाया जाना सुनिश्चित करें। आउट ऑफ स्कूल बच्चों की नियमित उपस्थिति एवं उनकी शिक्षण-अध्यापन व्यवस्था पर सम्मुचित ध्यान देने की जरूरत है।

एक कार्यालय के रूप में कार्य करता है वह ध्यान नहीं दिया गया तो इन बच्चों के पुगु प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए नोडल शिक्षक बच्चों को दक्ष बनाया जाना आवश्यक है। इसके लिए जिलाध्यक्ष भाजपा ने गूगि पूजा की गयी।

लोकमित्र ब्लूग

कौशाम्बी। विद्यानाम्भ सिराथू के पुगु प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे शिक्षकों से कहा कि आउट ऑफस्कूल बच्चों को उनकी कक्षाएँ देने के लिए नोडल शिक्षकों का व्लॉक स्टीय तीर्तीप नियमित अनुरूप दक्ष बनाया जाना आवश्यक है। इसके लिए जिलाध्यक्ष भाजपा ने गूगि पूजा की गयी।

लोकमित्र ब्लूग

कौशाम्बी। विद्यानाम्भ सिराथू के पुगु प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे शिक्षकों से कहा कि आउट ऑफस्कूल बच्चों को उनकी कक्षाएँ देने के लिए नोडल शिक्षक बच्चों का व्लॉक स्टीय तीर्तीप नियमित अनुरूप दक्ष बनाया जाना आवश्यक है। इसके लिए जिलाध्यक्ष भाजपा ने गूगि पूजा की गयी।

लोकमित्र ब्लूग

कौशाम्बी। विद्यानाम्भ सिराथू के पुगु प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे शिक्षकों से कहा कि आउट

सम्पादकीय

सम्पादकीय

आंदोलन का प्रभाव सीमित ही बना हुआ

तोन कृषि कानूनों का खिलाफ 20 महीनों तक संघर्षरत रहने के बाद एसकेएम को कामयाबी मिली। लेकिन इस तरीके को हर संघर्ष की सफलता का सूत्र मान लेना कितना उचित है, इस पर एसकेएम के अ-राजनीतिक गुट को अवश्य विचार करना चाहिए। अपने को गैर राजनीतिक कहने वाले संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) का संघर्ष लगातार गतिरोध का शिकार बना हुआ है, तो उसके पीछे खुद इस गुट की अपनी सोच कम जिम्मेदार नहीं है। एक तरीका एक मामले में सफल हुआ, तो उसे ही अन्य या कहीं व्यापक मुद्दों पर अपनाने की समझ समस्याग्रस्त है। 2020 में तीन कृषि कानून पारित होने से किसानों के सामने एक फैरी चुनौती पेश आई थी, जिस पर प्रतिरोध जताने के लिए के दिल्ली में उड़े प्रवेश नहीं करने दिया गया, तो तीन दिशाओं से आए किसान दिल्ली से लगी तीन सीमाओं पर बैठ गए। 20 महीनों इसी रूप संघर्षरत रहने के बाद उड़े कामयाबी मिली। इसे हर संघर्ष में सफलता का सूत्र मान लेना कितना उचित है, इस पर अ-राजनीतिक गुट को अवश्य विचार करना चाहिए। इस गुट ने बाकी समूहों की तुलना में खुद को अधिक रैडिकल दिखाने के लिए एसकेएम की एकता तोड़ दी। जब एसकेएम ट्रैड यूनियनों और अन्य जन संगठनों के साथ मिल कर अपने आंदोलन को बड़ा संदर्भ देने की दिशा में बढ़ रहा था, तब इस समूह ने दलील दी कि किसानों को किसान मुद्दों तक ही सीमित रखना चाहिए। इस रूप में देश की राजनीतिक-अर्थव्यवस्था के वर्तमान स्वरूप के प्रति इस समूह एक तरह का भोलापन दिखाया। अपनी मांगों को मनवाने के लिए उसने फिर दिल्ली कूच किया, जिसे हरियाणा के पहले ही शंभू बार्डर पर रोक दिया गया। तब से वे हीं बैठे रहे हैं। अब छह दिसंबर से उड़ोनें फिर से दिल्ली आने की मुहिम शुरू की है, जिसको लेकर दो दिन उनका पुलिस से टकराव हो चुका है। किसानों की मांगों में एमएसपी की कानूनी गारंटी, कृषि कर्ज माफी, बिजली की कीमतें ना बढ़ाना, किसान और खेत में काम करने वाले मजदूरों के लिए पेंशन जैसी मांगें शामिल हैं। इसके अलावा वे 2021 के लखीमपुर खीरी हिंसा के पीड़ितों के लिए न्याय, भूमि अधिग्रहण अधिनियम-2013 को बहाल करने और 2020-21 के आंदोलन में मरे किसानों के परिवारों के लिए मुआवजे की भी मांग कर रहे हैं। फिर भी आंदोलन का प्रभाव सीमित ही बना हुआ है।

अजय कुमार, लखनऊ

बीजेपी ने हमेशा से देश में समान नागरिक सहिता (यूसीसी) को लागू करने की वकालत की है, और यह मुद्दा जनसंघ के समय से ही पार्टी के एंजेंडे का हिस्सा रहा है। जब से भारतीय जनता पार्टी सत्ता में आई है, तब से इस मुद्दे पर पार्टी ने लगातार जोर दिया है। बीजेपी ने राम मंदिर, अनुच्छेद 370 को हटाने और समान नागरिक सहिता जैसे मुद्दों को अपने राजनीतिक एंजेंडे का हिस्सा बनाया था। राम मंदिर का सपना तो साकार हो चुका है, अनुच्छेद 370 को खत्म किया जा चुका है, अब सिर्फ समान नागरिक सहिता को लागू करने का काम बाकी है, जिसे बीजेपी और मोदी सरकार के लिए एक महत्वपूर्ण चुनौती के रूप में देखा जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट के जरिए अयोध्या में राम मंदिर बनाने का रास्ता साफ हुआ, और मोदी सरकार ने संसद के जरिए अनुच्छेद 370 को खत्म किया। साथ ही, संसद के जरिए एक देश, एक चुनाव की दिशा में भी कदम बढ़ाए गए हैं। अब, समान नागरिक सहिता को लागू करने की प्रक्रिया को लेकर बीजेपी ने एक नई रणनीति बनाई है। बीजेपी इस मुद्दे को संसद के बजाय राज्य विधानसभा के माध्यम से आगे बढ़ाने की योजना पर काम कर रही है। इस बारे में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राज्यसभा में अपने बयान के माध्यम से संकेत दिए

थे। आमत शाह न राज्यसभा म सर्विधान पर चर्चा करते हुए समान नागरिक सहिता के महत्व को स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 44 के तहत हमारा सर्विधान समान नागरिक सहिता की बात करता है, लेकिन यह अभी तक देश में लागू नहीं हो पाया है। इसके लिए उन्होंने कांग्रेस को दोषी ठहराते हुए कहा कि देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने मुस्लिम पर्सनल लॉ लागू किया था, और कांग्रेस ने तुष्टिकरण की राजनीति शुरू कर दी थी। अमित शाह ने यह भी कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने कई बार समान नागरिक सहिता लागू करने की बात की है, लेकिन कांग्रेस ने हर बार इसे टाल दिया। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि उत्तराखण्ड में बीजेपी सरकार ने यूसीसी को लागू किया है और इसी मॉडल के तहत बीजेपी शासित अन्य राज्यों में भी यूसीसी को लागू किया जाएगा। समान नागरिक सहिता का मतलब है कि देश में सभी नागरिकों के लिए एक ही कानून हो। इसका उद्देश्य विवाह, तलाक, संपत्ति के बंटवारे और अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर हर नागरिक के लिए समान कानून लागू करना है। वर्तमान में, मुस्लिम पर्सनल लॉ के तहत मुस्लिम समुदाय के लोग अपने पारिवारिक मामलों का हल करते हैं, लेकिन समान नागरिक सहिता के लागू होने से सभी समुदायों के लिए एक समान कानून होगा। बीजेपी ने इस मुद्दे को जनसंघ के

समय स उत्थाया था, आर पाटी का मानना है कि यह देश की धर्मनिरपेक्षता और समानता को सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक है। अधिनामत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस मुद्दे पर कई बार अपनी राय दी है। उन्होंने संविधान पर चर्चा के दौरान सेक्युलर सिविल कोड के संवैधानिक महत्व की बात की और संकेत दिए कि सरकार समान नागरिक सहित लाने की दिशा में काम कर रही है। उन्होंने 15 अगस्त को लाल किले के प्रचीर से भी यह कहा था कि जिन कानूनों से देश को धर्म के आधार पर बांटा जाता है, उन्हें समाप्त किया जाना चाहिए। उनके अनुसार, देश को एक सेक्युलर सिविल कोड की आवश्यकता है, और गलत कानूनों का आधुनिक समाज में कोई स्थान नहीं है। इस संदर्भ में अमित शाह ने उत्तराखण्ड की तर्ज पर अन्य बीजेपी शासित राज्यों में समान नागरिक संहिता लागू करने के लिए विधानसभा के रास्ते पर आगे बढ़ा जाएगा। इस रणनीति के तहत, बीजेपी पहले उत्तराखण्ड में यूसीसी को लागू करने के बाद चुकी है, और अब दूसरे बीजेपी शासित राज्यों में इसे लागू करने की योजना बनाई जा रही है। उत्तराखण्ड में बीजेपी ने विधानसभा चुनावों के दौरान यूसीसी को लागू करने का वादा किया था, और सरकार बनने के बाद मुख्यमंत्री पुष्कर धामा न इस पर अमल न बनाई गई थी, जिसने यूसीसी के सिफारिशों दी, और उसके आधार राज्य में समान नागरिक संहिता की गई। उत्तराखण्ड के बाद अब उन्होंने बीजेपी सरकार भी समान नागरिक संहिता को लागू करने तैयारी कर रही है। असम मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा सरमा ने यही में इस बात का ऐलान किया। राजस्थान और गुजरात जैसी सरकारें भी यूसीसी को लागू करने के पक्ष में हैं, और उनकी योजनाओं के तहत इस दिशा में कदम बढ़ाए जा रहे हैं। इन राज्यों में बीजेपी अपने शक्तिकेंद्रों में यूसीसी को लागू करने का सफल हो सकती है, और इस तरह पार्टी देश के बड़े हिस्से में समान नागरिक संहिता को लागू करने का मॉडल पेश कर सकती है। बीजेपी लिए यह रणनीति महत्वपूर्ण क्योंकि इसके जरिए वह न केवल अपने शासित राज्यों में यूसीसी कर सकती है, बल्कि वह विपक्षी दलों पर भी स्थियासी दबाव बना सकती है। यूपी, हरियाणा, प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, अरुणाचल प्रदेश, गुजरात, ओडिशा, त्रिपुरा, मणिपुर, महाराष्ट्र और अरुणाचल प्रदेश जैसे राज्यों में बीजेपी के सरकारें हैं। इनमें से गोवा में पहली ही यूसीसी लागू है, और उत्तराखण्ड भी इसे लागू किया जा चुका है। बीजेपी इन राज्यों में समान नागरिक संहिता को लागू करने की योजना बनाई जा रही है।

इसानी, बोजपा न संसद के बजाय विधानसभा का रूट अपनाने का निर्णय लिया है, ताकि राज्यों में इसे लागू करने का रास्ता तैयार किया जा सके। इस रणनीति के जरिए बीजेपी शासित राज्यों में यूसीसी को लागू करने का प्रयास करेगी, और इसके बाद अन्य राज्यों में भी इसे लागू करने के लिए दबाव डाला जाएगा। यह बीजेपी के लिए एक बड़ी राजनीतिक उपलब्धि हो सकती है, क्योंकि इससे पार्टी अपनी धर्मनिरपेक्षता और समानता के एजेंडे को साकार कर सकेगी। इसके साथ ही, बीजेपी अपने सहयोगी दलों को भी इस मुद्दे पर मजबूर कर सकती है, और फिर इसे राष्ट्रीय स्तर पर लागू करने का रास्ता खोल सकती है। इस प्रकार, बीजेपी अपने शासित राज्यों के जरिए देश में समान नागरिक सहिता को लागू करने की दिशा में प्रभावी कदम उठा सकती है, जो अंततः देश को एक समान और धर्मनिरपेक्ष समाज की ओर ले जाने में मदद करेगा।

सरोकार



मकर संग्राम पर खतरनाक चीनी मांझा- सरकार को अभी से जागृत होने की जरूरत है

अशाक भाट्या

हम कवल चान स हा नहा चाना माझ्या
से भी दूर रहना है। 15 जनवरी को
मकर संक्रान्ति है। मकर संक्रान्ति तिल
गुड़ की मिठास के साथ पतंगबाजी के
उत्साह से भरा पर्व है। इस पर्व पर
पतंग उड़ाने की परंपरा है। पूरा बाजार
पतंगों से पटता जा रहा है। ऐसे में
अभी से भी पतंग उड़ाने की शुरुवात
हो चुकी हो। ये आप भी जानते हैं कि
कैसे देश वासियों में पतंग उड़ाने
का जुनूनी शौक है। देश में कैसे
मकर संक्रान्ति के मौके पर पूरा
आसमान विभिन्न आकारों की रंग-
बिरंगी पतंगों से भर जाता है, महाराष्ट्र
में तो अभी से लेकर जनवरी तक यह
शौक फरमाया जाता है। ये किसी भी
छिपी नहीं है। पतंगबाजी का यह शौक
आज इसलिए खतरनाक होता जा रहा
है क्योंकि पतंगबाज चीनी माझा का
इस्तेमाल कर रहे हैं और यह माझा न
सिर्फ पतंग बल्कि लोगों की जिंदगी
भी डोर भी काट रहा है। गत वर्ष ही
घर आने-जाने के दौरान मुबई के
डिंडोशी पुलिस में तैनात एक
पुलिसकर्मी का गला माझे से कट
गयाथा, जिससे उसकी मौत हो गई।
इन शिकायतों के बाद ही पिछले
दिनों में शहर के कम से कम पांच
पुलिस स्टेशनों ने चीनी माझा बेचते,
स्टॉक करते या उपयोग करते हुए
पकड़े गए व्यक्तियों के खिलाफ
मामले दर्ज किए। गौरतलब हो कि
खेवाड़ी पुलिस के अधिकार क्षेत्र में
कांस्टेबल समीर जाधव की जान भी
चली गई थी जब वकोला
फ्लाईओवर से लटके चीनी माझे से
उनका गला कट गया। जवाब में

फ्लाईओवर से गुजर रहा था। बाइक चलाते समय मांझा उसके गले में लिपट गया। मांझा की चपेट में आने से उसके गले में करीब 2 इचंग हरा धाव हो गया। इस मामले में ऐर इशादतन हत्या का मामला दर्ज किया गया। चाइनीज मांझा से हुआ यह पहला हादसा नहीं था। चाइनीज मांझा न सिर्फ इंसानों के लिए बल्कि पशु-पक्षियों के लिए भी बहुत खतरनाक है और हर साल सैकड़ों पक्षी इसमें फंसकर अपनी जान गंवा देते हैं। दरअसल पतंगबाजी का मजा लेने वाले बच्चे व बड़े आपस में पतंग को लड़ाकर उसका मजा लेते हैं। पतंग लड़ाने के लिए लोग डोर को कटने से बचाने के लिए मजबूत धागे के लिए चाइनीज मांझे का इस्तेमाल करते हैं। यह मांझा सादे धागे के मुकाबले सस्ता और मजबूत होता है। इस कारण इसकी मांग ज्यादा रहती है। डिमांड के कारण दुकानदार प्रतिबंध के बावजूद भी चोरी छिपे बेचते हैं। आज भारत समेत दुनिया के कई देशों में पतंगबाजी की प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं, लेकिन पतंगबाजी का सबसे पुराना प्रमाण चीन में मिलता है। हान राजवंश के शासनकाल में पतंगों का सैन्य उपयोग भी होता था। वहां के सैन्य कमांडरों ने दुश्मन सेना की स्थिति और दूरी का पता लगाने के लिए पतंगों का भी इस्तेमाल किया। कहा जाता है कि पतंगबाजी भी चीन के रास्ते भारत पहुंची है। अब आपके मन में भी यह सवाल उठ रहा होगा कि आखिर यह मांझा इतना खतरनाक नहीं है और पतंगबाजी शास्त्रोंमें

कारण यह है कि पतंगबाजी के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला सामान्य मांजा कपास का बना होता है, लेकिन चीनी मांजा नायलॉन और अन्य सिंथेटिक सामग्री से बना होता है। यह मांजा कांच, लोहे के पाउडर और कई अन्य रसायनों के साथ लेपित है। इस वजह से मांजा और भी तीखा और जानलेवा हो जाता है। चाइनीज मांजा साधारण मांजा की जगह स्ट्रेचेबल होता है यानी टूटने की बजाय खिंचता रहता है। इतना ही नहीं चीनी मांजा में धातु के चूर्ण के प्रयोग से वह विद्युत का सुचालक होता है, अर्थात् इसमें से करंट प्रवाहित हो सकता है और इसलिए बिजली के झटके का खतरा रहता है, लेकिन इसके खतरों से बाकिफ होने के बावजूद आज बाजार में इसकी काफी मांग है, क्योंकि जब लोग पतंग उड़ाते हैं तो चाहते हैं कि उनकी पतंग न कट जाए और वे दूसरों की ज्यादा से ज्यादा पतंगों काट सकें। साल 2017 में हवाज़ यानी नेशनल ग्रीन टिव्यूनल ने इस मांजा पर पूरी तरह से रोक लगा दी थी। पर्यावरण विभाग के तहत 10 जनवरी 2017 को एक अधिसूचना जारी की गई थी, जिसके अनुसार पतंगबाजी के लिए नायलॉन, प्लास्टिक और किसी भी तरह की सिंथेटिक सामग्री पर पूर्ण प्रतिबंध है। इसके अलावा कांच, धातु या अन्य नुकीली चीजों से बने धागों पर भी पतंग उड़ाने पर रोक लगा दी गई है। नियम के मुताबिक, सूती धागे से बने धागों से पतंग उड़ाई जा सकती है, लेकिन इनमें भी किसी न किसी तरह का धागा लोट नहीं है। जैसे वापर से ज्यादा पर्यावरण का नुकसान होता है, तो उसकी जारी की जाती है।

उल्लंघन कड़ी सजा के साथ दंडीय है। अगर कोई ऐसा करते पाया जाता है तो उसे 5 साल तक की कैद और एक लाख रुपये तक के जुमानि से भी दर्दित किया जा सकता है। इतने सप्तखण्ड नियम होने के बावजूद आज मेंश भर में मैं चीनी मांझा का कारोबार फलफूल रहा है। व्यवसायी कानून की धज्जियां उड़ा रहे हैं और इन धातक मांझों को लोगों को बेच रहे हैं, और खरीदने वालों की कोई कमी नहीं है। मांझों के व्यापारी पुलिस को बकमा देने के लिए हाईटेक तरीके अपना रहे हैं और इसके लिए केसबुक जैसे सोशल मीडिया लेटरफॉर्म का इस्तेमाल कर रहे हैं। यह मांझा इतना खतरनाक होता है कि अगर तेज रफतार से चलने वाला श्रक्ति इसकी चपेट में आ जाए तो वह न केवल त्वचा या नसों को ब्रिल्क उसकी मासंपेशियों को भी काटकर हड्डियों तक पहुंच सकता है। डॉक्टरों का कहना है कि प्रतिबंध के बावजूद चीनी मांझों के पीड़ितों की पंख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। कई राज्यों में राज्य सरकारों ने बाइनीज मांझे पर बैन लगा चुकी है और प्रशासन को कार्रवाई के आदेश देए गए हैं। हर साल पंतग के सीजन के दौरान चाइनीज मांझों का जिन्होंने होता है पर बाद में लोग व शासन इसे मूल जाता है। कई लोगों का मानना है कि यह मांझा चीन से आता है और अब चीनी सामानों का बहिष्कार किया जा रहा है, इसलिए इस पर बैन लगाया गया है। जानकारों की मानें तो अब मांझा चीन से नहीं ब्रिल्क तेज रास्ते पर आ रहा है।

पर कोई स्टैंड नहीं लेता तो वे नजीर बन जाते हैं। अठरह साल पहले स्व जुगलकिशोर बागरी ने माध्यमिक शिक्षा मंडल के एक बाबू का कालर पकड़ लिया था वे तब जल संसाधन मंत्री थे।उसी काल में एक और मंत्री उमाशंकर गुप्ता ने भी एक डाक्टर को थप्पड़ जड़ दिया था।घटनायें तो भुला दीं गई किंतु विकृति बढ़ती गई है।देश आज जिस राह पर है वह निश्चित ही चौकाने वाला है।प्रतिक्रियायें हिंसक और उन्मादी होती जा रही हैं।सीमायें अपने आप टूट रही हैं।ऐसा क्यों हो रहा है?पूर्व में हुई तीन घटनाओं की तरह एक ही समाह में फिर से वैसी ही नई घटनायें सामने आ गई हैं।जो झकझोरती हैं।इलाहाबाद हाईकोर्ट के एक जज ने अपने सार्वजनिक भाषण में अल्पसंख्यकों को कठमुल्क कहते हुए उन्हें देश के लिये खतरनाक बताया है।वे कथित रूप से बहुसंख्यकों के अनुसार देश चलाने की बात भी कहते हैं। उनके विरुद्ध महाअभियोग लाने की बात हो रही है।यह रेडिकलाईजेशन (कट्टरता) की नई नजीर है।इससे भी खतरनाक घटना गाजियाबाद के जिला जज द्वारा छोटी सी बात पर वकीलों से हुए बाद विवाद में जिला न्यायाधीश और वकीलों के बीच में कथित द्यूमा झटकी की है, जहां पुलिस द्वारा वकीलों की जबरदस्त पिटाई के बाद वकीलों द्वारा अदालत के बाहर पुलिस चौकी में आग लगा देने की है।यह उत्तेजक बनाये रखने के राजनीतिक तमाशों का अनिवार्य परिणाम है।रतलाम में मध्यप्रदेश की एक नवजात पार्टी के इकलौते विधायक और एक शासकीय डाक्टर के बीच खुले गाली गलौज का बीड़ियो भी अपनी अपनी भूमिका में मगरूरियत का प्रमाण है।जो डाक्टर विधायक को अशोभनीय गालीयां दे रहा हो उसका व्यवहार मरीजों से कैसा होगा?दूसरी तरफ क्या विधायक को भी नियमित कार्यों में इतना अतिक्रमण करना चाहिये कि सरकारी कर्मचारी भी आक्रामक प्रतिक्रिया करने लगें।यह परिस्थिति खतरनाक है। जब सत्ता और पद का नशा सर चढ़ कर बोलता है तो सिस्टम टूटा है और विकृतियां पनपने लगती हैं।प्रदेश में घर से भागकर कथावाचक अधोरी और साधु बनने के लिये 13 नावालिंग बच्चे उज्जैन में पकड़े गये हैं।उनमें से लगभग सभी ने बताया है कि वे गिरालें देख देखकर भक्ति और लोकप्रियता के लिये घर छोड़ आये हैं।रील का नशा और झूटी चमक दमक किस तरह से समाज में तात्कालिक सफलता और अवसरों की तरफ भागने के लिये प्रेरित कर रही है।तय है कि हमारा सामाजिक ताना-बाना इन मासूम महत्वाकांक्षाओं को समाधान देने में असफल है।मजदूरों के खाते खुलवाकर साइबर अपराधियों को खाते बेचने वाले गिरोह पकड़े जा रहे हैं।जल्दी अबरपति बनने की ख्वाहिश, अभावों से ज़द्देने की

राशिफल



	मेष	आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज आपके ऊपर भगवान की कृपा बनी रहेगी। आज आपका मन भावनात्मक तौर पर अधिक मजबूत रहेगा। आपका दिन परोपकार के कार्यों में लग सकता है। आज आप अपने सहकर्मी या मित्र की सहायता कर सकते हैं, जिससे आपको प्रसन्नता होगी। व्यापार करने वाले लोगों के लिए दिन बहुत अच्छा है।
	वृष	आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। जीवनसाथी के साथ किसी बात को लेकर चल रही अनबन आज समाप्त होगी। परिवार के किसी सदस्य की सेहत में सुधार होने से आप राहत महसूस करेंगे। व्यापारी वर्ग के लोगों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है, आप अपने व्यापार में किसी प्रकार का फेर बदल ना करें।
	मिथुन	-आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज अपना कामकाज समय से पूरा कर लेंगे, जिससे आपको रिलेक्स फिल होगा। बहुत दिनों से जिस काम को लेकर परेशान थे वो आज पूरा होगा। राजनीति से जुड़े लोगों का मान-सम्मान व प्रतिष्ठा बढ़ेगी। आपको किसी प्रकार की बड़ी उपलब्धि प्राप्त हो सकती है, जिसमें आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा।
	कर्क	आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आपको अपने खर्चों के प्रति सावधान रहना होगा। आप व्यर्थ के खर्चों पर अधिक ध्यान ना दें, अपने सामानों को खरीदने से पहले आवश्यक कार्यों की लिस्ट बनाएं, इससे आपका समय बचेगा। प्राइवेट नौकरी करने वाले लोगों के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा।
	सिंह	आज का दिन आपके लिए नई उमंग से भरा रहने वाला है। अगर आपका मन किसी कारणवश उलझन में है, तो उसे शांत करने के लिए बच्चों के साथ थोड़ा समय बितायें। यदि आप किसी प्रकार का मकान या दुकान खरीदना चाहते हैं, तो आज का दिन आपके लिए शुभ रहेगा। छात्रों के लिए आज का दिन शानदार रहने वाला है।
	कन्या	आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। आज व्यक्तिगत जिम्मेदारियों का निर्वाहन अच्छे से करेंगे। इस राशि के राजनीतिज्ञों का, लोगों का समर्थन मिलेगा। लोग आपके कार्यों की तारीफ करेंगे। पारिवारिक रिश्तों में मजबूती आयेगी। आपके दांपत्य जीवन में सुख और सौहार्द की वृद्धि होगी। कारोबार के सेल्स में बढ़ोतारी होगी, जिससे इनकम अच्छी खासी होगी।

 तुला	आज आपका दिन खुशी से भरा रहेगा। आपके कामों की गति धीमी रहेगी, लेकिन मित्रों के साथ आपके रिश्टे बेहतर रहेंगे। आप परिवार में सबको खुश रखने की कोशिश में लगे रहेंगे। आज आपके अंदर त्याग और सहयोग की भावना रहेगी। आज बेटी के परीक्षा के अच्छे रिजल्ट्स से परिवारिक माहौल खुशनुमा बनेगा। आज किसी रिश्टेदार को दिए पैसे वापस मिलेंगे।
 वृश्चिक	आज आपका दिन नई उमंग लेकर आया है। काफी समय से चल रही किसी समस्या का आज समाधान ढूँढ़ लेंगे। लोगों के विचार और आपके बारे में बोली गई बातों के कारण आप मन ही मन उलझन में रहेंगे। इस राशि के स्ट्रूडेट आज अपनी पढ़ाई को लेकर उत्साहित रहेंगे। साथ ही ज्यादा समय पढ़ाई में व्यतीत करेंगे। यह देखकर आपके घरबालों को भी खुशी होगी।
 धन	आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज किसी से बात करते समय अपनी बाणी में मधुरता रखें। पेट की समस्या से परेशान लोगों को अँगूली खाने से बचना चाहिए। आज संतान पक्ष से सुखद अनुभूति होगी। आज आपको आय के नए स्रोत मिलेंगे। दांपत्य जीवन के लिए थोड़ा समय निकालेंगे जिससे रिश्टे में अपनापन बढ़ेगा।
 मकर	आज आपका दिन उत्तम रहने वाला है। आज आपको महत्वपूर्ण मीटिंग में शामिल होने का मौका मिलेगा, जिसमें आपकी सहभागिता अच्छी खासी रहेगी। आज प्रिय मित्र आपसे किसी विशेष विषय को लेकर बातचीत कर सकता है। आज नया काम आपको सोच विचार कर करना चाहिए। आपकी आय के मुकाबले खर्चों में अधिकता रहेगी।
 कुम्भ	आज आपका दिन सुख शांति से भरा रहेगा। संतान पक्ष से आर्थिक सहयोग मिलेगा। आज परिवारिक रिश्टे में मिटास बढ़ेगी। इस राशि के लोगों के घर का निर्माण कार्य जल्द पूरा हो जायेगा। राजनीति से जुड़े लोगों का समाज में प्रभाव बढ़ेगा। लोग आपके कार्य से खुश होंगे। आज आपको प्रमोशन से जुड़ी खबर मिल सकती है।
 मीन	आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। आज जिस भी क्षेत्र में आप मेहनत करेंगे उसमें सफलता हासिल होती। आज आपकी सभी समस्याओं का समाधान निकलेगा। सफलता की नई किरण दिखाई देगी। आर्थिक क्षेत्र में विकास के योग बन रहे हैं। काफी समय से बाहन लेने का मन बना रहे हैं तो आज बाहन लेने में समय आपका साथ देगा।

समसमायिक

सत्ता और पद के नशी से लड़खड़ाता सिस्टम

भा इसा दल के नता था क्या रसूख
और सच्चा का गमान दैहिक शोषण

जार सत्ता पाया तुनान दाहक शाविन
की आजादी का कारण बन रहा
है, या यह केवल समाज को निरंतर
उत्तेजक बनाये रखने के

राजनातक तमाशा का आनंदवाय परिणाम है रतलाम में मध्यप्रदेश की एक नवजात पार्टी के इकलौते विधायक और एक शासकीय डाक्टर के बीच खुले गाली गलौज का बीड़ियों भी अपनी अपनी भूमिका में मगरुरियत का प्रमाण है। जो डाक्टर विधायक को अशोभनीय गालीयां दे रहा हो उसका व्यवहार मरीजों से कैसा होगा? दूसरी तरफ क्या विधायक को भी नियमित कार्यों में इतना अतिक्रमण करना चाहिये कि सरकारी कर्मचारी भी आक्रामक प्रतिक्रिया करने लगेंगे? परिस्थिति खतरनाक है। जब सत्ता और पद का नशा सर चढ़ कर बोलता है तो सिस्टम टूटा है और विकृतियां पनपने लगती हैं। प्रदेश में घर से भागकर कथावाचक अंघोरी और साधु बनने के लिये 13 नावालिंग बच्चे उज्जैन में पकड़े गये हैं। उनमें से लगभग सभी ने बताया है कि वे गिरले देख देखकर भक्ति और लोकप्रियता के लिये घर छोड़ आये हैं। रील का नशा और झूटी चमक दमक किस तरह से समाज में तात्कालिक सफलता और अवसरों की तरफ भागने के लिये प्रेरित कर रही है। तय है कि हमारा सामाजिक ताना-बाना इन मासूम महत्वाकांक्षाओं को समाधान देने में असफल है। मजदूरों के खाते खुलवाकर साइबर अपराधियों को खाते बेचने वाले गिरोह पकड़े जा रहे हैं। जल्दी अरबपति बनने की ख्वाहिश, अभावों से जूझने की

बजाय गरीबों की मजबूरी और अशिक्षा को लूट का साधन बना लेने की कलाकारियां खतरनाक हो रही हैं। पोस्ट आफिस में एक बुजुर्ग पेशनर महिला कज खाते से लाखों रुपया उड़ा लेने वाले पोस्ट आफिस कर्मचारी को भी क्या लालच की गिनीज बुक का रिकार्ड बना रहा है? ये विकृतियां एक जगह नहीं बल्कि समाज के हर हिस्से में दिखाई दे रही हैं। हमें एक ऐसे समाज में धकेला जा रहा है जहां थाट और एकशन के बीच कोई टाईम डिस्ट्रेंस नहीं है। क्रिया के बाद सोचा जा रहा है कि ऐसा क्यों किया गया? ऐसे काल प्रवाह में जब समाज फंसता है तो पछताने का भी अवसर नहीं मिलता, क्या पछतावे के पहले इस आक्रामकता को रोका जा सकता है? समाज सुधारक, लोकप्रिय कथावाचक, राजनीतिक नेतृत्व और कार्यपालिका इस पर विचार करें, हालांकि देर तो हो ही चुकी है।

गाई तैयारियों पर निर्भर
तारी के किए गए काम में
भावनाएं बनी रहती हैं।

चित्रकूट/कौशाम्बी/मिर्जापुर/बांदा

कार्य क्षेत्र में महिलाओं को सुरक्षित रखता है यौन उत्पीड़न अधिनियम



लोकमित्र व्यूरो

चित्रकूट - राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निर्देशनामुसार बुधवार को न्यायालय परिसर में पोस (पोइएसएच) एक्ट से संबंधित विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिकित का आयोजन किया गया। विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिकित में कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न से सम्बन्धित शिकायत प्रकोष्ठ की अध्यक्ष विशेष न्यायालयी

पाक्सो एक्ट रेनु मिश्रा ने बताया कि को अपने महिला कर्मचारियों के लिए यौन उत्पीड़न से जुड़ी नीतियां, रोकथाम के प्रणालियों और सेवा 2013 में इस अधिनियम को लागू किया गया है। इसके अलावा संस्था की हर शाखा में एक अंतरिक्ष समिति का गठन करना जरूरी होता है। इस अधिनियम के तहत, अगर कोई महिला अपने या किसी और के कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न का सम्मान करती है, तो वह शिकायत कर सकती है। यह अधिनियम, पूरे भारत में किसी भी तरह के सार्वजनिक या नियंत्रित अंगतिका प्रियदर्शिनी आदि मौजूद रही।

अवैध लकड़ी रोकने के लिए तन विभाग ने चलाया छापामार अभियान



चित्रकूट व्यूरो- वन क्षेत्र से लकड़ी की अवैध कटान करके बाजार में बेचने आने वालों को पकड़ने के लिए बुधवार को बन विभाग की टीम ने छापामार अभियान चलाया। जिसमें लगभग 16 कुतल लकड़ी बरामद की गई। प्रभागीय विधिकरियों ने रेतार रुकुमार रिजिवंग क्षेत्र में रेतारांडी के जरिये जंगल की लकड़ी अवैध तरीके से ले जाने की शिकायते मिली थी। इसके चलते कई रेतारे स्टेशनों में छोपे मारे

गए। सात रेंज के क्षेत्रीय विधिकारियों सचल दल प्रभागी एवं अन्य कर्मचारियों की टीम ने टिकिया, मारकण्डी व बहिलपुरा रेतारे स्टेशन पर रेतारांडी की जांच की जिसमें टिकिया रेतारे स्टेशन पर मानिकपुर-सताना पैमेंटर देने के लिए बताया कि गोपीनाथ टाहार रिजिवंग क्षेत्र में रेतारांडी के जरिये जंगल की लकड़ी अवैध तरीके से ले जाने को रोकने में अपेक्षा की गई।

इसी प्रकार बलिपुरा रेतारे स्टेशन में प्रयागराज-झासी

असंगठित क्षेत्र सहित गैर-सरकारी संगठन भी शामिल हैं। घर में काम करने वाली नौकरियों भी इस अधिनियम के तहत सुरक्षित है। कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न से संबंधित शिकायत प्रकोष्ठ की सदस्य सिविल जज सीनियर डिविजन एफटीसी सोनम गुसा ने बताया कि भारत में कार्यस्थल पर महिलाओं के साथ यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेद्ध और निवारण) अधिनियम 2013, विधान का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। जिसका उद्देश्य कार्यस्थल पर महिलाओं के साथ यौन उत्पीड़न से उनका बचाव और रोकथाम है। यह ध्यान देने वाली बात है कि योस अधिनियम पीड़ित महिला को किसी अन्य महिला के विवाहक लैंगिक उत्पीड़न की अवधिकारी समिति दर्ज करने की अनुमति नहीं देती है। भारत के संविधान के अनुच्छेद 21 के अन्तर्गत गरिमा के अधिकारी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से यह अधिनियम कार्यरत है। इस पैकेज सिविल जज जुनियर डिविजन सैफली यादव, न्यायिक मजिस्ट्रेट अंगतिका प्रियदर्शिनी आदि मौजूद रही।

सेवा दल प्रशिक्षण शिविर की तैयारियों को दिया गया अंतिम रूप

चित्रकूट व्यूरो- कौंग्रेस सेवादल के प्रदेश अध्यक्ष डॉ प्रमोद पाठेय ने पार्टी पदाधिकारियों के साथ रामायण मेला भवन में लाने वाले पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर की व्यवस्थाओं का निर्देशन प्राप्त किया। जायजा लिया कौंग्रेस सेवा दल के प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि प्रशिक्षण सेवादल के प्रदेश अध्यक्ष एवं बताया कि कौंग्रेस सेवादल के प्रदेश अध्यक्ष एवं बुधवार को चित्रकूट में आयोजित किया जा रहा है। जिसमें कौंग्रेस के राष्ट्रीय महासंघिक व प्रभारी अधिकारी पांडेय तथा प्रदेश कौंग्रेस अध्यक्ष अंजय राय का आगमन होगा। बताया कि कार्यक्रम में 20 दिसंबर को बाद विधिकारी की गई है। हालांकि इसमें कोई आपरी नहीं पकड़ा गया। जांच के द्वारा संचालन स्थेन प्रबंधकों को जगल से लकड़ी लाकर अवैध रूप से ले जाने वालों को रोकने में सहयोग की अपेक्षा की गई।

बरामद लकड़ीयों का जब्त करने के बाद विधिकारी की गई है। हालांकि इसमें कोई आपरी नहीं पकड़ा गया। जांच के द्वारा संचालन स्थेन प्रबंधकों को जगल से लकड़ी लाकर अवैध रूप से ले जाने वालों को रोकने में सहयोग की अपेक्षा की गई।

पैमेंजर के द्वारा वक्त के समय जांच की गई। यहां अवैध रूप से ले जाई जा रही लगभग 12 कुतल लकड़ीयों का गमन की गई।

बरामद लकड़ीयों का जब्त करने के बाद विधिकारी की गई है। हालांकि इसमें कोई आपरी नहीं पकड़ा गया। जांच के द्वारा संचालन स्थेन प्रबंधकों को जगल से लकड़ी लाकर अवैध रूप से ले जाने वालों को रोकने में सहयोग की अपेक्षा की गई।

पैमेंजर के द्वारा वक्त के समय जांच की गई। यहां अवैध रूप से ले जाई जा रही लगभग 12 कुतल लकड़ीयों का गमन की गई।

बरामद लकड़ीयों का जब्त करने के बाद विधिकारी की गई है। हालांकि इसमें कोई आपरी नहीं पकड़ा गया। जांच के द्वारा संचालन स्थेन प्रबंधकों को जगल से लकड़ी लाकर अवैध रूप से ले जाने वालों को रोकने में सहयोग की अपेक्षा की गई।

पैमेंजर के द्वारा वक्त के समय जांच की गई। यहां अवैध रूप से ले जाई जा रही लगभग 12 कुतल लकड़ीयों का गमन की गई।

बरामद लकड़ीयों का जब्त करने के बाद विधिकारी की गई है। हालांकि इसमें कोई आपरी नहीं पकड़ा गया। जांच के द्वारा संचालन स्थेन प्रबंधकों को जगल से लकड़ी लाकर अवैध रूप से ले जाने वालों को रोकने में सहयोग की अपेक्षा की गई।

पैमेंजर के द्वारा वक्त के समय जांच की गई। यहां अवैध रूप से ले जाई जा रही लगभग 12 कुतल लकड़ीयों का गमन की गई।

बरामद लकड़ीयों का जब्त करने के बाद विधिकारी की गई है। हालांकि इसमें कोई आपरी नहीं पकड़ा गया। जांच के द्वारा संचालन स्थेन प्रबंधकों को जगल से लकड़ी लाकर अवैध रूप से ले जाने वालों को रोकने में सहयोग की अपेक्षा की गई।

पैमेंजर के द्वारा वक्त के समय जांच की गई। यहां अवैध रूप से ले जाई जा रही लगभग 12 कुतल लकड़ीयों का गमन की गई।

बरामद लकड़ीयों का जब्त करने के बाद विधिकारी की गई है। हालांकि इसमें कोई आपरी नहीं पकड़ा गया। जांच के द्वारा संचालन स्थेन प्रबंधकों को जगल से लकड़ी लाकर अवैध रूप से ले जाने वालों को रोकने में सहयोग की अपेक्षा की गई।

पैमेंजर के द्वारा वक्त के समय जांच की गई। यहां अवैध रूप से ले जाई जा रही लगभग 12 कुतल लकड़ीयों का गमन की गई।

बरामद लकड़ीयों का जब्त करने के बाद विधिकारी की गई है। हालांकि इसमें कोई आपरी नहीं पकड़ा गया। जांच के द्वारा संचालन स्थेन प्रबंधकों को जगल से लकड़ी लाकर अवैध रूप से ले जाने वालों को रोकने में सहयोग की अपेक्षा की गई।

पैमेंजर के द्वारा वक्त के समय जांच की गई। यहां अवैध रूप से ले जाई जा रही लगभग 12 कुतल लकड़ीयों का गमन की गई।

बरामद लकड़ीयों का जब्त करने के बाद विधिकारी की गई है। हालांकि इसमें कोई आपरी नहीं पकड़ा गया। जांच के द्वारा संचालन स्थेन प्रबंधकों को जगल से लकड़ी लाकर अवैध रूप से ले जाने वालों को रोकने में सहयोग की अपेक्षा की गई।

पैमेंजर के द्वारा वक्त के समय जांच की गई। यहां अवैध रूप से ले जाई जा रही लगभग 12 कुतल लकड़ीयों का गमन की गई।

बरामद लकड़ीयों का जब्त करने के बाद विधिकारी की गई है। हालांकि इसमें कोई आपरी नहीं पकड़ा गया। जांच के द्वारा संचालन स्थेन प्रबंधकों को जगल से लकड़ी लाकर अवैध रूप से ले जाने वालों को रोकने में सहयोग की अपेक्षा की गई।

पैमेंजर के द्वारा वक्त के समय जांच की गई। यहां अवैध रूप से ले जाई जा रही लगभग 12 कुतल लकड़ीयों का गमन की गई।

बरामद लकड़ीयों का जब्त करने के बाद विधिकारी की गई है। हालांकि इसमें कोई आपरी नहीं पकड़ा गया। जांच के द्वारा संचालन स्थेन प्रबंधकों को जगल से लकड़ी लाकर अवैध रूप से ले जाने वालों को रोकने में सहयोग की अपेक्षा की गई।

पैमेंजर के द्वारा वक्त के समय जांच की गई। यहां अवैध रूप से ले जाई जा रही लगभग 12 कुतल लकड़ीयों का गमन की गई।

बरामद लकड़ीयों का जब्त करने के बाद विधिकारी की गई है। हालांकि इसमें कोई आपरी नहीं पकड़ा गया। जांच के द्वारा संचालन स्थेन प्रबंधकों को जगल से लकड़ी लाकर अवैध रूप से ले जाने वालों को रोकने में सहयोग की अपेक्षा की गई।

पैमेंजर के द्वारा वक्त के समय जांच की गई। यहां अवैध रूप स

संक्षिप्त खबरें

ग्राम पंचायतों के सशक्तीकरण को उताए जाएं कदम

बांदा। अखिल भारतीय प्रधान संगठन पदाधिकारियों ने बुधवार को मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन उप जिलाधिकारी को मौंपा। ज्ञापन में कहा गया कि संविधान विधेयक के तहत 29 विधायियों व उनके अधिकार पंचायत कर्मियों को पंचायतों को सौंपकर सत्ता विकेन्द्रीकरण की आदर्श व्यवस्था को लागू किया जाए। ज्ञापन में सकारा की ओर से छोटी पंचायतों को अतिरिक्त विकास कोष देने के बायदे को तकाल प्रभाव से लागू करने की मांग की गई। इसके साथ ही ज्ञापन पंचायतों से खातिज निकासी हो, उन पंचायतों से प्राप्त धनराशि पर ग्राम पंचायतों का भी समस्त अधिकार होना चाहिये। ग्राम पंचायत में कार्यरत सभी कर्मचारियों की उत्तरिति कार्य प्रमाणन लिल्लबन में भी कार्य ग्राम पंचायतों की संस्कृति का अधिकार सुनिश्चित करने की मांग की। इसके साथ ही ग्राम पंचायतवार सचिवों की नियुक्ति प्रति पंचायत एक सचिव होना चाहिये। जनपद स्तर पर डीएम, एसपी और मासिक बैठक लेना सुनिश्चित किया जाना चाहिये। ग्राम पंचायतों के सशक्तीकरण के लिए एसपी प्रकार के करों को लगान और बसूल करने का अधिकार दिए। ज्ञापन के साथ ही अन्य मांगें भी की गईं। इस दौरान जिलाधारी बूजेंद्र सिंह गौतम के अलावा कोषाध्यक्ष लाल भईंद्र प्रधान, जिला मीडिया प्रभारी रेखा, कोरा प्रधान कुरौली, जिला महा सचिव पुण्ड्र कुमार प्रधान बड़ोदरा, जिला उपाध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह प्रधान जौहरु, जिला महामंत्री ज्ञापन सिंह प्रधान विज्ञाही, जिला मंत्री आनंद कुशवाहा प्रधान, जिला महामंत्री कमलेश कुमार प्रधान अरती ग्रामीण, सिक्किम प्रधान, आशा वर्मा प्रधान पचनेही, तियाकत प्रधान, अरोक कुमार अलिहा प्रधान आदि लगभग आधा सैकड़ा जिला समिति के प्रधान मौजूद रहे।

ब्लाकों व पंचायतों में समस्या समाधान के लिए आयोजित हों विशेष शिविर



बांदा। गांवों में ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान किए जाने के लिए शासन के निर्देश पर सुशासन साझा के तहत प्रशासन गवर्नर की ओर कार्यक्रम का आयोजन किया जाया। मुख्य विकास अधिकारी बेटवाल काम मैर्य ने बताया कि सभी विकास खेड़ों और ग्राम पंचायतों में कार्यक्रमों का आयोजन किए जाना सुनिश्चित किया जाए।

कलेक्टर सभागार में आयोजित बैठक में सीडीओ ने बताया कि 19 से 24 दिसंबर के बीच शासन के निर्देश पर सुशासन साझा-प्रशासन गवर्नर की ओर कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। सभी विकासखेड़ों व ग्राम पंचायतों को निर्देश प्रदान किये गये हैं कि 19 दिसंबर को शिक्षायों का निराकरण के लिए विशेष शिविर का आयोजन करना सुनिश्चित करें। 22 दिसंबर को आनंदाइन संविस डिल्लीवारी के लिए विशेष कैम्प आयोजित होंगे, जिसमें जन्म प्रमाणपत्र, मुख्य प्रमाणपत्र, विस्तार सम्पादन निधि, कन्या सुमंगला योजना, निराकृति महिला पेंशन, कृषि तथा उद्यान से सम्बन्धित अवेदन पत्रों का निस्तारण किया जाया। 24 दिसंबर को जनपद स्तर पर जनपद स्तरीय अधिकारियों की एक कार्यवाही लागू होगी। इस कार्यवाही में साझा हीं में बताये गये कार्यों की समीक्षा की जायेगी। 19 तारीख से 24 तारीख के बीच में आयोजित किये गये कार्यक्रमों की बेबासाइट पर गतिविधियों की अपलोडिंग भी सुनिश्चित कराएंगे जाए।

प्राइमरी विंग ने धमधाम से मनाया क्रिसमस-डे



बांदा। बुधवार को यूरो किड्स श्रीनाथ विहार और भागवत प्रसाद मेमोरियल अकादमी की प्री-प्राइमरी विंग में क्रिसमस-डे का भव्य आयोजन बड़े ही उत्सव और उत्सव के साथ किया गया। शुभारंभ विद्युतियों राम लखन कुशवाहा, चंद्रवाला आकादमी निर्देशिका विद्युत जिनराल, प्रधानमानाचार्य भागवत प्रसाद मेमोरियल अकादमी विद्युत श्रीवास्तव और प्रधानमानाचार्य भागवत प्रसाद मेमोरियल इंटर कॉलेज जारीदंद्र सिंह ने इस मसीह की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ञालन कर और केंक काटकर किया।

प्री-प्राइमरी के बच्चों ने अपनी रंगांग प्रस्तुतियों से सभी का दिल जीत लिया। बच्चों ने लाल और सफेद रंग की पोशाक पहनकर माहौल को क्रिसमस के रंग में रंग दिया। यूकेंजी कक्ष के बच्चों ने हैपी न्यू ईंवर गाने पर मनोहरक नृत्य किया। एलकेजी कक्ष के बच्चों ने डील्ली गाने पर शानदार परफॉर्मेंस दी। यूरो किड्स के सभी बच्चों ने मटरासी, जूबी-जूबी व तिती सी हंगी, गाने पर धमाकेदार नृत्य कर, सभी को दूले पर मज़बूत कर दिया। कार्यक्रम में बच्चों ने इस मसीह के जन्म की जांकी भी प्रस्तुत की। सेंट्रा कलाजे के रूप में आए बच्चों ने ढेर सेरे उपहार विताया किया। जिसमें कार्यक्रम में उत्सव और खुशियों का माहौल बना रहा। शिक्षिकाएं कोपल यादव, मेहनतिशा, अंशिका त्रिपाठी, अंशिका श्रीवास्तव, संदर्भिका तिवारी एवं मेनका गोस्वामी, वृत्तिका कश्यप, प्रियका तिवारी, रिजवाना प्रवीन, संस्कृति जैन, संचिता श्रीवास्तव सहित विद्यालय परिवार के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की सफलता ने यह विताया कि जब बच्चे और शिक्षक मिलकर मेहनत करते हैं, तो हर आयोजन यादवार बनता है। संस्था के चेयरमैन शिवशरण कुशवाहा ने इस कार्यक्रम के लिए प्रतिमार्ग छात्र-छात्राओं और सभी शिक्षिकों को प्रोत्साहित किया। विद्यालय की निर्देशिका संघांग कुशवाहा ने अतिविद्यों और अभिभावकों का तिलक लगाकर स्वागत किया और बच्चों को क्रिसमस डे की शुभकामनाएं दीं।

पत्ती से अनन्बन पर पति ने फंदा लगाकर जान दी

बांदा। पत्ती से अनन्बन के बाद युक्त ने दो मंजिला मकान में पंचायी की हुक पर दुपट्टा से फंसी लगाकर खुदकुशी कर दिया। शव देखते ही घरवालों में कोहराम मच गया। सूचना पाकर मैक्र पर हफ्ती सी पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचायाम के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। शहर कोतवाली क्षेत्र के मध्यिका नाका मोहन्न निवासी 25 वर्षीय आनंद पत्र कमलेश ने बुधवार की सुबह दो मंजिला मकान में बने कमरे में पंचायी की हुक पर दुपट्टा से फंसी लगाकर खुदकुशी कर दिया। कापी देव बाद जब वह कमरे से बाहर नहीं निकला तो तिने कुदी खटखटाई लेकिन अंदर से कोई हरकत नहीं हुई। मामले की जानकारी पुलिस को दी गई। मैक्र पर पंचायी पुलिस दरवाजा तोड़ कर कर्मकरे के अंदर खड़ी देखा तो आनंद कर्मकरे पर लटक रहा था। अधिकारी के छोटे खड़ी अकिञ्चने ने बताया कि आनंद खड़ी पता कर कर्मकरा करता था। बताया कि आनंद खड़ी पता कर बाहर आनंद कर्मकरा करता था। खड़ी देखा कर्मकरे करने के बाद एक दूसरे खड़ी देखा कर्मकरा करता था। उन्होंने जाने तथा लक्ष्य के अनुरूप वसूली करने की बात कही। उन्होंने नरनी में व्यापार करने के बाद एक दूसरे खड़ी देखा कर्मकरा करता था। उन्होंने जाने तथा लक्ष्य के अनुरूप वसूली करने की बात कही। उन्होंने नरनी में व्यापार करने के बाद एक दूसरे खड़ी देखा कर्मकरा करता था। उन्होंने जाने तथा लक्ष्य के अनुरूप वसूली करने की बात कही।

विधानसभा घेराव से पहले कांग्रेसियों को किया हाउस अटेंट पूरे प्रदेश से लखनऊ पहुंचकर विधान सभा घेराव का किया था ऐलान



लोकमित्र ब्लूग

बांदा। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आहान पर जनता मांग जबाब कब दोगे हिसाब के नारे के साथ विधानसभा घेराव करने के लिए एसपी प्रकार के करों को लगान और बसूल करने का अधिकार दिए। ज्ञाने के साथ ही अन्य मांगें भी की गईं। इसके साथ ही ग्राम पंचायतवार सचिवों की नियुक्ति प्रति पंचायत एक सचिव होना चाहिये। जनपद स्तर पर डीएम, एसपी और मासिक बैठक लेना सुनिश्चित किया जाना चाहिये। ग्राम पंचायतों के सशक्तीकरण के लिए एसपी प्रकार के करों को लगान और बसूल करने का अधिकार दिए। ज्ञाने के साथ ही अन्य मांगें भी की गईं। इसके साथ ही ग्राम पंचायतवार सचिवों की नियुक्ति प्रति पंचायत एक सचिव होना चाहिये। जनपद स्तर पर डीएम, एसपी और मासिक बैठक लेना सुनिश्चित किया जाना चाहिये। ग्राम पंचायतों के सशक्तीकरण के लिए एसपी प्रकार के करों को लगान और बसूल करने का अधिकार दिए। ज्ञाने के साथ ही अन्य मांगें भी की गईं। इसके साथ ही ग्राम पंचायतवार सचिवों की नियुक्ति प्रति पंचायत एक सचिव होना चाहिये। जनपद स्तर पर डीएम, एसपी और मासिक बैठक लेना सुनिश्चित किया जाना चाहिये। ग्राम पंचायतों के सशक्तीकरण के लिए एसपी प्रकार के करों को लगान और बसूल करने का अधिकार दिए। ज्ञाने के साथ ही अन्य मांगें भी की गईं। इसके साथ ही ग्राम पंचायतवार सचिवों की नियुक्ति प्रति पंचायत एक सचिव होना चाहिये। जनपद स्तर पर डीएम, एसपी और मासिक बैठक लेना सुनिश्चित किया जाना चाहिये। ग्राम पंचायतों के सशक्तीकरण के लिए एसपी प्रकार के करों को लगान और बसूल करने का अधिकार दिए। ज्ञाने के साथ ही अन्य मांगें भी की गईं। इसके साथ ही ग्राम पंचायतवार सचिवों की नियुक्ति प्रति पंचायत एक सचिव होना चाहिये। जनपद स्तर पर डीएम, एसपी और मासिक बैठक लेना सुनिश्चित किया जाना चाहिये। ग्राम पंचायतों के सशक्तीकरण के लिए एसपी प्रकार के करों को लगान और बसूल करने का अधिकार दिए। ज्ञाने के साथ ही अन्य मांगें भी की गईं। इसके साथ ही ग्राम पंचायतवार सचिवों की नियुक्ति प्रति पंचायत एक सचिव होना चाहिये। जनपद स्तर पर डीएम, एसपी और मासिक बैठक लेना सुनिश्चित किया जाना चाहिये। ग्राम पंचायतों के सशक्तीकरण के लिए एसपी प्रकार के करों को लगान और बसूल करने का अधिकार दिए। ज्ञाने के साथ ही अन्य मांगें भी की गईं। इसके साथ ही ग्राम पंचायतवार सचिवों की नियुक्ति प्रति पंचायत एक सचिव होना चाहिये। जनपद स्तर पर डीएम, एसपी और मासिक बैठक लेना सुनिश्चित किया जाना चाहिये। ग्राम पंचायतों के सशक्तीकरण के लिए एसपी प्रकार के

